अध्याय–10

समाज के कमजोर वर्गों का कल्याण

सेल

सहायता के निम्नांकित क्षेत्र भी हैं जो कमजोर वर्गों के लिए है–

- इस्पात बस्तों में लगभग 200 स्कूल हैं जिसमें 6000 अध्यापक कार्यरत हैं और ये एक लाख से अधिक बच्चों को उत्तम कोटि की शिक्षा देते हैं।
- खेलकूद विकास योजनाएं जो मेधावी बच्चों को खोजने पर ध्यान देती हैं और पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति देने सहित आवश्यक प्रशिक्षण मुहैया करती हैं।
- भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ संयुक्त उद्यम में हाकी तथा हैंडबाल अकादमियां।
- कला केन्द्रों के रूप में अवसंरचनात्मक स्कूलों को खोलना और सांस्कृतिक कार्यकलापों को उत्साहित करना।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के संबंध में राष्ट्रपति के निर्देशों को सतत् आधार पर कार्यान्वित किया जा रहा है और उनका नियमित रूप से प्रबोधन किया जा रहा है। 31.03.2004 के अनुसार सेल में कुल 152175 जनशक्ति में 14.7 प्रतिशत अ.जा. 11.5 प्रतिशत अ.ज.जा. तथा 6 प्रतिशत अन्य पिछड़े वर्गों के कर्मचारी हैं।

पदों का वर्गीकरण	नियोक्ता की संख्या	एसटी		एसटी		ओबीसी	
		नं.	प्रतिशत	नं.	प्रतिशत	नं.	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8
ग्रुप–ए	15897	1722	10.83	761	4.79	583	3.67
ग्रुप–बी	44371	4612	10.39	3149	7.1	3909	8.81
ग्रुप–सी *	90612	14729	16.26	13507	14.91	4731	5.22
ग्रुप–सी **	1295	1339	103.4	202	15.6	14	1.08
कुल	**152175**	**22402**	**14.72**	**17619**	**11.58**	**9237**	**6.07**

* (विशेष – सफाई कर्मचारी)
** (सफाई कर्मचारी)

एनएमडीसी

जनशक्ति

31.12.2004 की स्थिति के अनुसार एनडीएमसी की समग्र जनशक्ति 5664 थी, जिसमें से 1020 अ.जा. के (18.01:) 1082 अ.ज.जा. (19.1:), 398 ओबीसी (7.03:) थे।

ग्रुप	नियोक्ता की संख्या	एसटी		एसटी		ओबीसी	
		नं.	प्रतिशत	नं.	प्रतिशत	नं.	प्रतिशत
ग्रुप–ए	988	122	12.35	45	4.55	89	9.00
ग्रुप–बी	1040	159	15.29	167	16.06	36	3.46
ग्रुप–सी	2474	495	20.00	633	25.59	150	6.06
ग्रुप–डी (विशेष सफाई कर्मचारी)	1087	187	17.20	233	21.44	123	11.32
ग्रुप–डी (सफाई कर्मचारी)	75	57	76.00	4	5.33	0	0
कुल	**5664**	**1020**	**18.01**	**1082**	**19.10**	**398**	**7.03**

अन्य कल्याणकारी उपाय

पब्लिक सेक्टर के रूप में एनडीएमसी ने अपने कारपोरेट प्लान में सामाजिक उत्तरदायित्व को मुख्य

लव्यों में रखा है। इसी तरह अपने सारे प्रोजेक्टों में एनडीएमसी ने सारी अवसंरचनाओं के साथ बहुत अच्छा टाउनशिप विकसित किया है जिसमें स्कूल, अस्पताल, समुदाय भवन, बाजार इत्यादि शामिल है।

प्रशिक्षण प्रोग्राम

वर्ष 2004–05 (अप्रै. से दिस.) में संपादित प्रशिक्षण प्रोग्राम के दरम्यान अ.जा./अ.ज.जा./ओबीसी/शारीरिक विकलांग/पूर्व अधिकारी को दायरे में लाया गया। विवरण नीचे दी गई तालिका में है:–

वर्ष	एससी	एसटी	सामान्य ओबीसी, पीएच और कर्मचारी
2004-2005 (अप्रैल–दिसम्बर 04)	330	354	1081

एमएसटीसी लिमिटेड

अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीद्वारों के लिए आरक्षण, छूट आदि के संबंध में सरकार की नितियों और प्रक्रियाओं से संबंधित समय–समय पर जारी राष्ट्रपति के निदेशों को किसी भी मामले में कार्रवाई करते/निर्णय लेते समय ध्यान में रखा जाता है। भर्ती और पदोन्नति से संबंधित मामलों में निदेशों का पालन करने के लिए बेहतर प्रयास किए जाते हैं। विभागीय पदोन्नति समितियों और चयन समितियों (भर्ती के मामले में) में अनुसूचित जाति/जन जाति/अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

आरक्षित श्रेणियों से संबंधित कर्मचारियों की क्षमता में सुधार करने और भविष्य में उच्च स्थिति ग्रहण करने के लिए उन्हें तैयार करने हेतू उनके कार्य से संबंधित क्षेत्रों में उनके प्रशिक्षण और विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जाता है। वर्ष 2004–05 (दिस. 2004 तक) के दौरान 3 अनु. जाति एवं 1 अ.ज.जा. कर्मचारियों को आंतरिक एवं संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भेजा गया। इसके अतिरिक्त उन्हें कम्पनी के अन्य कर्मचारियों के लिए उपलब्ध सभी सुविधाएं प्रदान की गई।

इसके साथ एमएसटीसी द्वारा अ.जा./अ.ज.जा. कर्मचारी परिषद को सभी संभव सहयोग और सहायता उपलब्ध कराई गई। यह परिषद मुख्य रूप से कम्पनी के आरक्षित वर्गों के कर्मचारियों के हितो की रक्षा के लिए काम करता है।

मॉयल

कमजोर वर्ग का कल्याण

(क) आदिवासी गांवों का अपनाना
(ख) आर्थिक विकास हेतू रेशम पालन की शिक्षा
(ग) आसपास की खानों में स्कूलों को सहायता
(घ) चिकित्सा कैम्प/रक्तदान कैम्प/शिशु कल्याण कैम्प आयोजित करना
(ड.) जल सप्लाई योजना के लिए ग्राम पंचायतों को अनुदान सहायता
(च) उन सामाजिक संस्थानों को वित्तीय सहायता देना जो बुजुर्ग और विकलांगों के पुर्नस्थापना के लिए कार्य करते हैं।
(छ) विकलांगों को तिपहिया प्रदान करना। अ.ज.जा. महिला के उत्थान हेतू सिलाई मशीन प्रदान करना।

मॉयल गरीब वर्गों को सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के कल्याणकारी उपाय करता है ताकि उनके जीवन स्तर को उठाया जा सके।